नाम हरि का हृदय से ना भूलो ये भुलाने के काबिल नही है लिरिक्स

नाम हरि का हृदय से ना भूलो,
ये भुलाने के काबिल नही है,
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है।bd।

तर्ज – ज़िन्दगी एक किराये का घर।

चोला अनमोल तेरा सिला है,
जिसमे जीवन का फूल खिला है,
स्वांस गिन गिन के तुझको मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है,
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,
ये भुलाने के काबिल नही है,
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है।bd।

इतने अनमोल जीवन को पाकर,
खोज अपनी ना की मन लगाकर,
वो तो भगवान के पास जाकर,
मुँह दिखाने के काबिल नही है,
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,
ये भुलाने के काबिल नही है,
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है।bd।

तूने नर तन भी पाके क्या कीता,
ना पढ़ी ना सुनी भगवत गीता,
साधु संयासी बन मन ना जीता,
वो संत कहाने के लायक नही है,
नाम हरी का हृदय से ना भूलो,
ये भुलाने के काबिल नही है,
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नाम हरि का हृदय से ना भूलो,
ये भुलाने के काबिल नही है,
बड़ी मुश्किल से नर तन मिला है,
ये गंवाने के काबिल नही है।bd।

गायक / प्रेषक – मुकेश कुमार मीना।
(सुर संगम यूटचूब चैनल)
संपर्क – 9660159589

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com